विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 31 जुलाई से 6 अगस्त 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 10 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

पैसे से खुशी कभी नहीं आ सकती है. लेकिन अच्छे और समर्पित रिश्ते से सदैव खुशी आती है. स्वार्थी व्यक्ति जीवन में धन बहुत कमा सकता है लेकिन वह खुशी और संतोष कभी नहीं कमा सकता है. इसका ध्यान देते हुए सदैव जीवन जीने और मानव सेवा में सहयोग का प्रयास करें.

अमरावती जिले के सफलतम व्यवसायी,आदर्श पुत्र,दिलदार इंसान रामेश्वर उपाध्यायजी को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें,यही कामना.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

राज्य की 26 लाख बहनें हुई लाभ से आऊट

चुनावी लाभ के लिए शुरू लाड़ली बहन योजना तोड़ रही वित्तीय कमर,14 हजार 298 पुरूषों ने लिया लाभ

विदर्भ स्वाभिमान,30 जुलाई

मुंबई/अमरावती-राज्य विधानसभा चुनाव में सत्ता प्राप्ती के लिए तथा राजनीतिक लाभ के लिए गड़बड़ी में शुरू की गई मुख्यमंत्री मेरी लाड़ली बहन योजना अब राज्य सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है. आगामी स्थानीय निकाय चुनाव तक ही यह योजना चलने की चर्चा के बीच इस योजना में कई गड़बड़िया भी सामने आ रही हैं. इस योजना में 14298 पुरूषों ने भी लाड़ली बहन योजना का लाभ लेने का चौकाने वाला खुलासा हुआ है. इस पर सरकार क्या कार्रवाई करती है, इसके साथ ही राज्य में जांच के बाद 26 लाख महिलाओं को योजना के अयोग्य पाया गया है,

इनका लाभ तत्काल प्रभाव से बंद होने वाला है.

अयोग्य लाभार्थियों के कारण सालभर में लगभग 4800 करोड़ रूपए का नुकसान राज्य सरकार को उठाना पड़ा है. राज्य की महिला व बाल कल्याण मंत्री आदिती तटकरे ने भी इसकी पुष्टि की.

2.52 करोड़ लाभार्थी-विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक राज्य में लाड़ली बहन योजना के 2 करोड़ 52 लाख लाभार्थियों में से 26 लाख 34 हजार महिलाएं योजना में नहीं बैठती हैं. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की सरकार द्वारा योजना का मूल्यांकन करने तथा जांच करने के बाद महिला व बाल विकास द्वारा सभी लाभार्थियों की जानकारी मंगाई गई थी, इस दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आयी. इसमें हद तो तब हो गई जब लाड़ली बहन योजना का लाभ लेने वालों में 14298 पुरूष लाड़ले भी मिल गए. इनके खिलाफ तथा अयोग्य लाड़ली बहनों के खिलाफ रक्षाबंधन के मुहाने पर क्या कार्रवाई की जाती है अथवा माफ किया जाता है, इस ओर सभी की नजरें लगी हैं. इन महिलाओं का मानधन स्थगित किया गया है. आगे का कदम मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों से चर्चा के बाद लेने की बाद आदिती तटकरे ने कही. योजना के कारण राज्य की तिजोरी को बड़ा झटका लग रहा है. इससे योजना को झटका लगने की संभावना है.

नदियों से रेती खनन बंद करने का किया जाएगा प्रयास-चंद्रशेखर बावनकुले

विदर्भ स्वाभिमान,30 जुलाई

मुंबई-रेती घाट को लेकर राज्य सरकार द्वारा नई नीति बनाने के साथ ही नदियों से रेत खनन बंद करने का प्रयास करने की बात राजस्व मंत्री तथा अमरावती जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने किया है. कृत्रिम रेत नीति लागू करने के लिए एसओपी जारी करने के संकेत चंद्रशेखर बावनकुले ने दिए हैं. मानक संचालन प्रक्रयिा जारी कर दी गई है. निर्माण कामों के लिए रेत की वैकल्पिक व्यवस्था करना और अवैध रेत परिवहन रोकने के लिए इस तरह की पहल की जा रही है.

राज्य में रेत तस्करों की मनमानी और कई बार राजस्व विभाग के अधिकारियों की हत्या के प्रयास को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार

द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है. पालकमंत्री बावनकुले ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए नदियों से रेत खनन पूरी तरह से बंद करना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि पांच एकड़ तक के क्षेत्र में एम-सैंड यूनिट लगाने के लिए उपयुक्त भूमि की जानकारी महाखनिज प्रणाली पर अपलोड की जाएगी. इसके उत्पादन के लिए अवैध खनन अथवा रेत तस्करी में लिप्त व्यक्ति,संस्थाएं नीलामी में हिस्सा नहीं ले सकेंगी.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बढ़ते एनजीओ में कितने हैं समर्पित,कितने व्यावसायिक

जिले में आदिवासी बहुल मेलघाट के साथ ही तेजी से अनगिनत गैरसरकारी संस्थाएं यानी एनजीओ बन रहे हैं. इसमें से कितनी संस्थाएं ईमानदारी से सेवाभाव से काम कर रही हैं और कितनी संस्थाएं केवल सेवा के नाम पर लोगों की जेब साफ कर रही हैं, इस पर चिंतन का वक्त आ गया है. कई संस्थाओं के पदाधिकारी तो खुलेआम ब्लैकमेलिंग,धमकी देने का काम करते हैं. इन संस्थाओं के कारण जो समर्पित भाव से काम करती हैं, ऐसी संस्थाएं और उनसे जुड़े लोग बदनाम हो रहे हैं. यह समर्थनीय नहीं है. जिला प्रशासन को कुकुरमुत्तों की तरह उग आयी ऐसी संस्थाओं के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई करनी चाहिए.अमरावती जिले में कई ऐसे संगठन तथा संस्थाएं बन गई हैं, जिनका काम सामाजिक काम के नाम पर लोगों को तकलीफ देना और उन्हें ब्लैकमेल करना है. ऐसी संस्थाओं के कारण सच्चे दिल से काम करने वाली संस्थाएं बदनाम हो रही हैं. ऐसी संस्थाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है. आज भी समाज अच्छे लोगों, अच्छी संस्थाओं की मदद के लिए तत्पर रहता है.अंजनगांव सुर्जी नप स्वास्थ्य विभाग में लिपिक पद पर कार्यरत शासकीय यूडीआईडी धारक दिव्यांग महिला कर्मचारी प्रिया टांक को कथित दिव्यांग संगठन की तीन महिला पदाधिकारियों ने संबंधित कर्मचारी की विकलांगता की जाँच की और धमकी देकर अकोला के स्वास्थ्य उपसंचालक कार्यालय में उपस्थित होने को कहा.सवाल यह है कि क्या किसी निजी संस्था को किसी दिव्यांग की जांच करने और उसे तकलीफ देने का हक है. अगर नहीं है तो इन महिलाओं को नगर पालिका में प्रवेश कैसे दिया गया और उन्होंने दिव्यांग महिला कर्मचारी से जिस तरह की भाषा में बातचीत की, ऐसे में इन पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए. इतना ही नहीं तो जिले में इस तरह की समाजसेवा की आड़ में अपना घर भरने और सेवा को बदनाम करने वाले ढोंगी लोगों के खिलाफ जिला प्रशासन को तत्काल कठोर कदम उठाना चाहिए. इस जांच से बचने के लिए बीस हज़ार रूपये की मांग करने से यह साबित है कि यह दिव्यांग महिला को आर्थिक रूप से एक प्रकार सेलूटने ही आयी थी. 21 जुलाई को घटी इस चौंकाने वाली घटना ने जिले में हड़कंप मचा दिया है. पीड़िता ने अंजनगांव पुलिस में घटना की शिकायत दी है. वर्तमान में कई बोगस दिव्यांग संगठन कार्यरत हुए है. जिन पर नकेल कसने की मांग शासन मान्यता प्राप्त महाराष्ट्र राज्य अपंग कर्मचारी संगठन की जिला ईकाई ने जिलाधीश और अन्य प्रमुख प्रशासनिक विभागों से की है. यह समय की नजाकत है. दिव्यांगों को परेशान करने वाली इस घटना के बाद जिला प्रशासन को इस मामले में फर्जी संस्थाओंका रजिस्ट्रेशन न केवल रद्द किया जाए बल्कि उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए. इससे निश्चित तौर पर अच्छे लोगों को न्याय मिलेगा और बदनाम नहीं होंगी.

बढ़ता मानव-वन्यजीव संघर्ष खतरनाक

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

मानव के स्वार्थी रवैया ने पर्यावरण संतुलन को काफी नुकसान पहुंचाया है. अब तक जंगलों में बनने वाले अपार्टमेंट और नगरों, कॉलोनियों के कारण वन्यजीवों के लिए जगह ही नहीं बच रही है. ऐसे में लोगों के लिए सोचनीय स्तिति पैदा हो गई है. आज भी बीस साल पहले कभी तेंदूआ, बाघ या भालू किसी आदमी पर हमले की घटनाएं कभी-कभार ही हुआ करती थी. लेकिन विगत कुछ वर्षों के दौरान वन्यजीव और मानव के बीच बढ़ता संघर्ष चिंतनीय है. इसमें यद्यपि ताकत वर इंसान ही भारी साबित होता है. लेकिन हर वन्यजीव का अपना महत्व होता है. वह प्राकृतिक संतुलन में अपनी भूमिका निभाता है. अमरावती जिला बाघों के मामले में बेहतरीन है. लेकिन इनकी बढ़ती संख्या के साथ ही तें दुओं का उत्पात जब तपोवन, मंगलधाम कॉलोनी जैसे क्षेत्रों में बढ़ता है तो निश्चित तौर पर इसका भी विचार किया जाना चाहिए. क्यों कर वन्यजीव रिहायशी इलाकों में जा रहे हैं, इस सवाल का उत्तर आदमी का लगातार लालची होना है. पहाड़ों को काटकर वहां भी कॉलोनी बसा रहा है. जंगल तेजी से करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी साफ हो रहा है. भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ रहा है कि 3200 करोड़ रूपए महाराष्ट्र में पौधारोपण पर खर्च हो चुका है लेकिन विडंबना यह है कि जंगल बढ़ने की बजाय घट रहा है.

अमरावती जिले के प्राकृतिक सुंदरता से लैस मेलघाट में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से मानव और वन्य जीवन में संघर्ष हो रहा है यह निश्चित ही चिंता की बात है. मेलघाट व्याघ्र प्रकल्प क्षेत्र में किसानों पर जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं बढ़ रही है. सोमवार को सुबह भालू ने किस पर हमला कर दिया इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे किसान पर जिला सामान्य अस्पताल में उपचार चल रहा है. कहां जा रहा है कि भालू के साथ उसके दो बच्चे थे. मां ने अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए किस पर हमला कर दिया. पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से मेलघाट में कभी बाघ, कभी भालू द्वारा हमला किया जा रहा है निश्चित तौर पर यह है बार-बार क्यों हो रहा है इस बारे में वन विभाग को गंभीरता से सोचना चाहिए और तत्काल कदम उठाने का प्रयास करना चाहिए.

चिखलदरा तहसील के बामदेही गांव के खेत क्षेत्र में रविवार दोपहर भालू ने अचानक हमला कर एक किसान को गंभीर रूप से घायल कर दिया. यह हादसा उस समय हुआ जब किसान पुनाजी सुभाजी धिकार अपने खेत में मवेशी चरा रहे थे.करीब एक से डेढ़ बजे के दौरान अचानक एक रिछ अपने दो शावकों के साथ खेत में पहुंच गई और उसने किसान पर हमला बोल दिया. हमले में किसान के सिर और हाथ पर गहरे घाव हुए हैं. रिछ ने उसके शरीर में कई जगह दांतों से काटा, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया.घायल किसान को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए चुरणी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती किया गया. वहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें अमरावती जिला सामान्य अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.भालू ने अपने बच्चों की मौजूदगी में आत्मरक्षा की भावना से आदिवासी पर हमला किया है.हमला किसान के ही खेत में हुआ है. क्षेत्र में एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीरता को उजागर किया है. आए दिन जंगली जानवरों की खेतों में घुसपैठ से किसानों में भय का माहौल है.प्रशासन और वन विभाग से उचित संरक्षण की मांग तेज हो रही है.इससे राहत के साथ टालने का जितने जल्दी प्रयास हो, उतना ही अच्छा है.

सम्पत्ति कर ही नहीं, स्थायी आय के लिए मनपा प्रशासन कदम उठाए

पूर्व उपमहापौर प्रमोद-अंजली पांडे ने मनपा आयुक्त को सौंपा ज्ञापन,दिए कई सुझाव

विदर्भ स्वाभिमान, 30 जुलाई

अमरावती- महापालिका की स्थिति आमदनी अठन्नी खर्चा रूपैया जैसी है. इसका असर विकास योजनाओं पर पड़ रहा है. मनपा को केवल सम्पत्ति कर बढाने और महंगाई में त्रस्त लोगों पर भार डालने की बजाय अपना स्वयं का आर्थिक स्त्रोत बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय की सलाह पूर्व उपमहापौर और अनुभवी युवा नेता प्रमोद पांडे तथा पूर्व नगर सेविका अंजली पांडे ने मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा को दिया है. इस बारे में उन्होंने हाल ही मनपा आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर चर्चा की. मनपा आयुक्त ने दोनों की बातों को गंभीरतासे सुना और उनके सुझाव पर समुचित कदम उठाने का भरोसा दिलाया.

समुचित विकास के विजन के अभाव में महानगर पालिका क्षेत्र में जहां लोगों को परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर मनपा द्वारा भी अपने स्तर पर आर्थिक स्त्रोत तैयार कर आर्थिक मजबूती के स्थायी प्रयास की बजाय सम्पत्ति कर बढ़ोत्तरी का बोझ ही नागरिकों पर लादा जा रहा है. यह अनुचित रहने और मनपा को आर्थिक मजबूती के लिए स्वयं के स्त्रोत विकसित करने की सलाह पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे ने दी है. इस बारे में मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा से मुलाकात कर चर्चा की.इस दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पहले शहर के प्राकृतिक नाले के आसपास के लेआऊट,नगर निवासी क्षेत्रों में बारिश का पानी घरों में नहीं घुसेगा, इस पर ध्यान देने तथा मनपा की खाली पड़ी जमीन पर व्यापारिक संकुल का निर्माण कर किराए अथवा लीज से देने से करोड़ों रूपए की आय मनपा को होने की बात कही. मनपा को मोबाइल कंपनियों से महावितरण की तर्ज पर संदेश वहन कर वसूलने की सलाह दी. इससे करोड़ों रूपए की मनपा की आय होकर विकास को गति मिल सकती है. कुल 15 महत्वपूर्ण मुद्दों पर मनपा आयुक्त से चर्चा करते हुए समुचित कदम उठाने से मनपा की आय करोड़ों रूपए से स्थायी रूप में बढ़ने और शहर का विकास तेज गति पकड़ने की बात कही. सौर उर्जा के माध्यम से लाखों की बचत और मोबाइल कंपनियों पर वहन कर से भी लाखों की आय की सलाह प्रमोद पांडे ने मनपा आयुक्त को दी.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं- अमित बनारसे

जीवन में कामयाबी के लिए मेहनत,समर्पण के साथ सच्चा भाव होना भी जरूरी है.मानव जीवन कीमती है, यह हमारे अलावा और कितने लोगों के काम आता है और पुण्य कमाता है,यही सोचकर काम करने वाला कभी असफल नहीं होता है.आजमाकर देखो.
अमित बनारसे

विदर्भ स्वाभिमान, 30 जुलाई

अमरावती- जीवन में कामयाबी के लिए मेहनत,समर्पण के साथ सच्चा भाव होना भी जरूरी होता है. जब हम किसी के कल्याण का भाव रखते हैं तो हमारा भी भला पक्का होता है. जिस तरह अंधेरा कितना भी गहरा क्यों नहीं हो लेकिन एक छोटा सा दीपक उसे खत्म करने की ताकत रखता है. ऐसे ही जब हम सेवाभाव के साथ कुछ करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित रूप से सकारात्मक उर्जा हमें मिलती है और असंभव भी संभव हो जाता है. इस आशय का मत एमपीएससी परीक्षा में सफल और गरीब छात्रों को सदैव निःशुल्क मार्गदर्शन करने वाले अमित बनारसे ने व्यक्त किया.

बचपन से ही मेधावी छात्र रहने के साथ ही कुछ नया करने और सामाजिक कामों में उत्साह का संकल्प रखने वाले अमित बनारसे ने वननेस मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था के संस्थापक हैं और इसके माध्यम से कई मित्रों के साथ मिलकर झोपड़पट्टी के गरीब बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के लिए हर रविवार को 10 बजे से 2 बजे तक पेड़ के नीचे कक्षाएं लेते हैं. इसमें वे और उनके मित्र गरीब बच्चों को पढ़ाते हैं. साथ ही जीवन में शिक्षा किस तरह महत्वपूर्ण है, इसका पाठ पढाते हैं. अभी तक एक हजार से अधिक बच्चों को उन्होंने विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के साथ उनकी मदद की. गरीब छात्रों को महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा आयोग की परीक्षा पर निःशुल्क मार्गदर्शन करते हैं.

माध्यम से गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही उनकी मदद का बीड़ा उठाया. सरकारी नौकरी में रहने के बाद भी लगभग एमपीएससी की 22 मुख्य परीक्षा का अनुभव, पूर्व स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी के अलावा एमपीएससी के माध्यम से सहकार विभाग में चयन हुआ है. मिलनसार स्वभाव के धनी अमित अपनी कामयाबी का श्रेय पिता गजानन बनारसे, मां के साथ गुरूजनों को देते हैं. साथ ही जितना भी संभव हो,सेवा कामों में सदैव योगदान देने की बात कहते हैं. उन्हें 30 जुलाई को जन्मदिन पर हजारों मित्रों ने शुभकामनाएं दी. विदर्भ स्वाभिमान की ओर से भी शुभकामनाएं

हरदिलअजीज,सेवाभावी युवा हैं अमित बनारसे

जन्मदिवस 30 जुलाई पर विशेष

जीवन में कुछ लोग अपनी मेहनत, लगन, स्वभाव के कारण कब दिलों में जगह बना लेते हैं, इसका पता नहीं चलता है, ऐसे ही युवाओं में शामिल है छाया कॉलोनी निवासी और महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले अमित बनारसे. बचपन से ही मेधावी छात्र रहने के साथ ही कुछ नया करने और सामाजिक कामों में उत्साह का संकल्प रखने वाले अमित बनारसे ने वननेस मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था के माध्यम से गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही उनकी मदद का बीड़ा उठाया. सरकारी नौकरी में रहने के बाद भी लगभग एमपीएससी की 22 मुख्य परीक्षा का अनुभव, पूर्व स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी के अलावा एमपीएससी के माध्यम से सहकार विभाग में चयन हुआ है. गरीब छात्रों के लिए एमपीएससी का मुफ्त मार्गदर्शन और में टरशिप, मोटिवेटर के रूप में सदैव प्रयासरत हैं. पिता गजानन बनारसे भी सफल व्यवसायी हैं और बेटे अमित को सदैव प्रोत्साहित करने का काम किया है. माता-पिता को अमित जीवन का सबसे बड़ा भगवान मानता है.

कहते हैं कि भाव अगर ठीक हो तो परमात्मा या प्रकृति का सदैव साथ

मिलता है. आज वननेस मुक्तांगण पिछले 6 साल से युवाओं का बेहतरीन ग्रुप बनकर गरीब बच्चों के लिए बेहतरीन कार्य कर अमरावती का नाम रोशन कर रहा है. अमित बनारसे मेहनती, समर्पित, यारों का यार के साथ ही विनम्र व्यक्ति रहने से हजारों मित्र परिवार तैयार किया है. उसका हंसमुख स्वभाव,मानवता की सेवा के विचार निश्चित ही जहां अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायी होता है, वहीं कई बार उनके साथ बैठना, बातचीत करना भी सुखद अनुभव रहता है. अमित का कहना है कि जीवन मिला है तो केवल अपने लिए जीने में कोई तुक नहीं है. बल्कि हमारे जीवन को अगर हम सचमुच सफल करना चाहते हैं तो निश्चित तौर पर हमें मानवता की सेवा, समाज की सेवा तथा राष्ट्र की सेवा का भाव रखना होगा.

अमित ने मेहनत,समर्पण तथा बेहतरीन स्वभाव के कारण हजारों मित्र उन्होंने बनाए हैं. आदमी के जीवन में सबसे बड़ी अहमियत पैसे को है. लेकिन इसके साथ ही जीवन में कामयाबी के लिए उनके जैसे कुछ लोग सदैव प्रेरणा देने का काम करते हैं. हर व्यक्ति को सहयोग करने तथा प्रोत्साहित करने में उनका जवाब नहीं है. बोलने में कम और करने में जहां वह विश्वास रखता है, वहीं दूसरी अमित ने संस्था में ऐसे सेवाभावी और समाज के लिए कुछ करने की चाहत रखने तथा समाज के ऐसे वर्गों के लिए कार्य करने की भावना रखने वाले युवक-युवतियों की बेहतरीन टीम है. इनके माध्यम से वह सदैव सामाजिक उपक्रम करते हैं. पिछले 6 साल के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर 1 हजार के करीब बच्चों की शिक्षा में संस्था ने योगदान देकर गरीब बच्चों के जीवन में शिक्षा के रूप में प्रकाश लाने का प्रयास किया है और करना जारी है.

सबका साथ में विश्वास

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए अमित बनारसे ने कहा कि सभी के साथ से ही यह उपक्रम होता है. अकेला कोई कुछ नहीं कर सकता है. वननेस के सभी सदस्य समर्पित हैं, इसीलिए गरीब बच्चों को शिक्षा देने तथा उन्हें मदद करने के काम में सफलता मिलती है. गत दिनों महात्मा फुले महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चों को दप्तर के साथ ही शालेय साहित्य का वितरण किया गया. इसमें कई मान्यवर उपस्थीत थे. निश्चित ही अमित तथा उसकी टीम का अभिनंदन किया जाना चाहिए. अमित को जन्मदिन की ढेरों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. स्वस्थ रहो, मस्त रहो और सेवा का यह कार्य अविरत चलता रहे, सभी का साथ मिलने के साथ ही गरीब बच्चों का जीवन संवारने का कार्य सदैव चले, इसी शुभकामना के साथ.अमित के 30 जुलाई को जन्मदिन पर सभी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वह स्वस्थ रहें,मस्त रहें,सेवा करते रहें. **विदर्भ स्वाभिमान**

गरीब बच्चों को शिक्षा देने तथा सेवा में अग्रणी
अमित गजानन बनारसे
को जन्मदिन 30 जुलाई की
हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
पंकज हादवे, वैष्णवी मोहोकार, शुभम बलखंडे, राहुल बेलसरे, दीपक सावरकर, प्रणीता पापळकर, रंजना तायडे,गौरव चारथल,तन्मय वैतागे, भावेश ठाकरे, समीक्षा बोन्डे, वैष्णवी मिलखे, वैभवी मिलखे, यश चिखलकर, आयुष गुल्हाने, गौरी बोन्डे, प्रकाश पांडे, प्रथमेश पखाले, रितूजा जिरापुरे, जयेश गुल्हाने,विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य मित्र परिवार,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

निष्काम कर्मों का आचरण करना चाहिए

गतांक से जारी- भासुर ज्ञान भक्ति वैराग्य को रखनेवाले लोगों को भी कर्मों को छोड़े बिना कर्म करते रहना चाहिए.वही वेदोक्त मार्ग है.वे कर्म कौन हैं तो सुनो. स्नान -संध्यादि सवन आदि निज शक्ति के अनुसार करते सारी इच्छाओं को त्याग करके सब कुछ हरि को समर्पित करते हुए आचरण करने से हरि संतुष्ट होंगे. वही सत्फल है. इसलिए विप्र वेदमार्ग के अनुसार यज्ञ करते रहने से हरि संतुष्ट होकर उन्हें वांछित फल प्रदान करेंगे. इसलिए सारे आर्य यज्ञ करते हैं. इस प्रकार मेरी आज्ञा को धारण करके निष्काम कर्मों का आचरण करना चाहिए .ऐसे आचैरण न करके मेरी आज्ञआ का उल्लंघन करनेवाले दोषयुक्त होंगे .इसलिए सद्ब्राहण यज्ञादि षठकर्मों का आचरण करते ईश्वर का ध्यान में निष्ठावान होकर भूले बिन नारायण मंत्र का स्मरण करते हुए सन्यास विधि से कर्म आचारण करके संपूर्ण ज्ञानोदय प्राप्त करने के बाद विधिवत दंड-कमंडल को छोड़कर अवदूत आश्रम को स्वीकार करके शीतोष्ण सुख-दुखादि व्दन्दातीत बन कर सच्चिदानंद से नित्य परिपूर्ण ब्रहानंद का अनुसंधान करते रहना चाहिए.ऐसा करनेवालों को ब्रम्हा सायिज्य प्राप्त होगा कहते वराह स्वामी ने आगे इस रूप में कहा.

ब्रह्म के व्दैत रूप (ब्रहा और जीव)

हे भूदेवी! ब्रह्म दो प्रकार के होते हैं . वे हैं परा और अपरा. उन में पर अक्षर और अपर अक्षर रूप होते हैं. पर अक्षर परम ब्रह्म स्वरूपा है. अपर अक्षर जीवात्म स्वरूपा है. पर रूप ही विमल रूपी परमात्मा है. गुरु पुरुषोत्तम सर्वपूर्ण भी वे ही हैं.उस ब्रह्म का अंश ही जीव है.अविद्या से वह ब्रह्म से अलग होता है. वह अपरिमित रूप से शरीरों को प्राप्त करके बहु जन्म लेता है. बहु मोह शोक आदि में डूबते तैरते अहं को पालकर बड़े-बड़े कर्म करते जन्म लेता और मरता रहता है.ऐसे जीव अविद्या से दुखी होकर अनेक रहता है. ऐसे कुछ जन्मों में अनेक

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-26, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

पापकर्म करके फिर बार-बार जन्म लेता रहता है. कुछ जन्मों में निष्काम पुण्य कर्म करके सुख-दुखों का अनुभव करते हुए धरती पर जन्म लेता मरता रहता है. उनमें कुछ काम और भोगासक्त होते हैं. और कामवासना से यज्ञ आदि प्रमुख कर्मों से विरत होकर आचरण करके स्वर्ग लोकादि को प्राप्त न करके धरती पर सुख भोग को प्राप्त करके उन्हीं में लीन रहकर पुण्यों को सदा नाश करते हुए बार-बार धरती पर पैदा होकर बार-बार आते-जाते जन्म-मृत्यु रूपी उसी चक्र में पड़ा रहता है.उनमें कुछ योगाभ्यास निष्ठ होकर सत्पदों को प्राप्त करते हैं. इन बातों को सुनकर भूदेवी ने कहा. अत्यंत प्रमुख योग प्रकारों के बारे में हे देव! सत्कृपा से मुझे बताइए भूदेवी की इस प्रार्थना पर संतुष्ट होकर वराह स्वामी ने इस रूप में कहा.

योग मार्ग का क्रम (अष्टांग योग)

योगमार्ग के क्रम के बारे में बताना है तो ऐसा है कि गुरूपदेश क्रम से यम निय मानस प्राणायाम प्रत्यहार ध्यान धारण समाधि नामक अष्टांग योग का अभ्यास करना चाहिए. उनमें यम ऐसा है.

1. सम (दस प्रकार)

जगत में अहिंसा सत्य अस्तेय ब्रह्मचर्य बार्जवम क्षमा अतिदया धृति मिताहार शौच यम इस रूप में दस प्रकार है. सकल जीवों को किसी भी प्रकार का क्लेश नहो ऐसा व्यवहार करना ही अहिंसा है. अवनि में सभी को इष्ट रूप से झूठ न बोलना ही सत्य है अन्यों के धन में माया करके धोखा देकर प्राप्त न करना ही अस्तेय है. दूसरों की सतियों को मातृ भाव से देखने का धर्म ही ब्रह्मचर्य है. हे सरसिजाक्षी! भूत मैत्री और कुटिलता को छोड़ना ही वार्जवम है. सहन ही क्षमा है. धर्य ही धृति है. मित रूप स आहार ग्रहण करना ही मितभोजन है. शौच का मतलब शुध्दि है. सम के ये दस ही प्रकार हैं. फिर नियम कितने प्रकार हैं पूछने पर.

2. नियम (दस प्रकार)

नियम केदस प्रकार हैं. योग शास्त्र के प्रति रति सत्पात्र दान संतोष लज्जा व्रत बुध्दि आस्तिक्य ईश्वरार्चन नियम के ये दस प्रकार है.उदर पोषणार्थ किए जानेवाले वादास्पद शास्त्र को छोड़कर मोक्ष प्रदान करनेवाले शास्त्र का अभ्यास करना योगशास्त्र के प्रति रति है.अपने को प्राप्त धन को गुरु और व्दिजों के लिए उपयोग करना सत्पात्र दान है.लाभ-नष्ट,शुभ-अशुभ संयोग-वियोग, मान-अपमान स्तुति-निंदा, मोद-खेद भावों से परे रहना ही संतोष है. सुजन के सागत्य अपने दुर्गुणों से मुक्त न होने पर अपनी निंदा करके दुर्गुणों को छोड़कर सद्गुणों का अभ्यास करना लज्जा है.

शेष अगले अंक में

सर्वज्ञ फाउंडेशन की आठवीं वर्षगांठ पर सरस्वती नगर में

संगीतमय श्रीकृष्ण कथा 13 अगस्त से

अमरावती- पिछले आठ साल से शहर में समाजसेवा का आदर्श रखने वाले सर्वज्ञ फाउंडेशन की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर स्थानीय सरस्वती नगर, अमरावती में नागपुर से आए प्रसिद्ध प्रवचनकर्ता मनोज महाराज मिरकुटे (काटपरकर) के वाणी द्वारा संगीतमय श्री कृष्ण कथा का आयोजन किया गया. इसकी जानकारी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष मनीष पावड़े द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई.संस्था के अध्यक्ष मनीष पावड़े ने अपने पिता स्वर्गीय श्री रमेशराव पावड़े और माता श्रीमती पुष्पलता पावड़े से प्रेरित होकर गरीबों को भोजन, वस्त्र और अन्य सहायता उपलब्ध कराने के नेक उद्देश्य से आठ वर्ष पूर्व सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक संस्था की स्थापना की थी. इस संस्था के माध्यम से उन्होंने हज़ारों गरीबों तक भोजन दान का हाथ बढ़ाया. कोरोना काल में सड़कों पर कोई भी भूखा न रहे, यह संकल्प लेते हुए उन्होंने और उनके साथियों ने निस्वार्थ भाव से निरंतर भोजन दान किया. मास्क बांटते हुए, उन्होंने कोरोना महामारी के बाद कुछ दृष्टिबाधित बहनों की शादी भी करवाई. इस काम में उन्हें अपनी पत्नी श्रीमती वैशाली मनीष पावड़े का भी सहयोग मिल रहा है. पावड़े दंपत्ति के इस सामाजिक कार्य को देखते हुए, उन्हें कई राज्य-स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है.

सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सभी सेवाभावी मित्रों और परिवारजनों के सहयोग से आठ वर्ष पूरे कर लिए. 13 अगस्त से 16 अगस्त के बीच श्री कृष्ण कथा का आयोजन सरस्वती नगर, अमरावती स्थित मनीष पावड़े के निवास पर किया जा रहा है.

चार दिवसीय श्री कृष्ण कथा महोत्सव

सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक अमरावती

के दौरान 13 अगस्त की सुबह 10 बजे सरस्वती नगर से भव्य दिव्य कलश यात्रा निकलेगी. इसके बाद दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्री कृष्ण कथा का आयोजन होगा. 16 तारीख को श्री मनोज महाराज मिरकुटे द्वारा संध्या कीर्तन किया जाएगा और उसके बाद महाप्रसाद का वितरण होगा. इस कार्यक्रम में क्षेत्र के संत और गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे. इसमें एच. बी.एच. पी. उमाले ऐ, (लहरी बाबा मंदिर), कमलाताई गवई (लेडीज गवर्नर) सभाषराव पावडे, (अध्यक्ष श्री कृष्ण मंदिर) और श्री गरुदेव सेवा मंडल, सरस्वती नगर, महिला भजन मंडल सरस्वती और लक्ष्मी नगर, डॉ. गोविंद कासट मित्र, अभिनंदन पेंढारी मित्र, वृक्ष संवर्धन अमरावती, वासा एनिमल रेस्क्यू सेंटर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की मुख्य उपस्थिति होगी और कई गणमान्य व्यक्ति इस धर्मार्थ कार्यक्रम में आएंगे. आप आयोजित श्री कृष्ण कथा कार्यक्रम हेतु खाद्यान्न एवं दान के रूप में सहयोग कर सकते हैं. सहयोग देने का स्थान सर्वज्ञ बुक डिपो, गांधी चौक, अमरावती एवं सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक, सरस्वती नगर, अमरावती है. सर्वज्ञ फाउंडेशन संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावड़े मो. 9096585929 ने सभी से अनुरोध किया है कि वे संगीतमय श्री कृष्ण कथा कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और इसका लाभ उठाएं. इस धर्मार्थ कार्यक्रम के लिए सर्व श्री राजू खंडारे, दादाराव दिवारे योगेश पखाले, प्रदीप गोरे, सुनील ठकरे, रंजीत औरंगपुरे, दीपक साहित्यकार, गौरव राजुरकर, अंकुश वाट, विलास गणेशपुरे, सागर गोरे, अनिल कोहले, शिवाजी मुंडे, भूषण इंगले, प्रीतम विधले, सतीश माकोडे, अमोल विधले, अमोल औरंगपुरे, पवन वासु, अतुल इंगले, निखिल फंट, मयूर अग्रवाल, गोपाल कडू, सर्वज्ञ एवं अनभवी पावडे, डॉ. शिवा पुंडकर, संजय खांडे, राजेश पडोले, बब्लू गोंजरे, प्रतीक देशमख, अमित कडू, निरंजन ठाकरे, दिनेश खोरगड़े, नितिन टाले, पराग नवलकर, गोलू मेश्राम, अभिषेक इंगले, सुनील मोहोड़, प्रमोद सावतकर, प्रणय ईंगालकर, मनोज जयले आदि कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं. सभी से लाभ लेने तथा इस पुण्य कार्य में सहयोग करने का आग्रह मनीष पावडे तथा परिवार ने किया है.

नागपंचमी महोत्सव, धर्म के साथ चला सेवा कार्य, दिव्यांगों को बोजन व वस्त्रदान

इंद्रशेष दरबार में महाप्रसाद का सैकड़ों ने उठाया लाभ

विदर्भ स्वाभिमान,30 जुलाई

अमरावती- विदर्भ के सुख्यात वडाली स्थिति इंद्रशेष दरबार में नागपंचमी महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया. पांच दिवसीय कार्यक्रम में जहां हजारों भक्तों ने भाग लिया, वहीं दूसरी ओर धर्म के साथ ही सामाजिक सेवा का उपक्रम भी लियाा गया. दिव्यांगों को भोजनदान के साथ ही वस्त्रदान का कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हुआ. हजारों की संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. हरीश खुले, राजेश बोके के साथ ही सैकड़ों भक्तों ने सभी उपक्रमों में उत्साह से भाग लिया.

बाबा के जयकारे से जहां पूरा क्षेत्र गूंज उठा, वहीं इसके साथ ही पांच दिवसीय नागपंचमी महोत्सव का समापन हुआ. नागपंचमी परलोणटेक के नागदेव बाबा, अकोली रोड के भद्रशेष बाबा, गोंडबाबा मंदिर, छांगानी नगर के शंभूशेष, महाराज मंदिर में भी विभिन्न कार्यक्रम लिया गया. इसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया. इंद्रशेष बाबा दरबार के सामाजिक उपक्रमों की सभी द्वारा सराहना की जा रही है.

शहर ही नहीं तो जिले तथा विदर्भ के हजारों भक्तों के आस्थास्थल वडाली स्थित श्रीसंत इंद्रशेष बाबा दरबार संस्थान में जारी पांच दिवसीय नागपंचमी महोत्सव का बुधवार को घटविसर्जन सहित विभिन्न कार्यक्रम और महाप्रसाद के साथ समापन किया गया. इस उपलक्ष्य में बुधवार को सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक गोपाल काला कीर्तन कथा प्रवक्ता कैलास महाराज ने किया. पश्चात घट विसर्जन और दिव्यांगों को भोजनदान तथा वस्त्रदान के बाद दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद कार्यक्रम शुरू हुआ. इसका सैकड़ों भक्तो ने लाभ लिया.

वडाली के इंद्रशेष बाबा दरबार में 25 से 30 तक पांच दिवसीय नागपंचमी महोत्सव का अनगिनत धार्मिक,सामाजिक उपक्रमों के साथ समापन हुआ. हजारों की संख्या में भक्तों ने दर्शन लाभ लेने के साथ ही महोत्सव में शारीरिक और आर्थिक सहयोग भी दिया. कथा प्रवक्ता कैलाश महाराज ने शिव पुराण कथा की, इसका भी भक्तों ने लाभ लिया. मंगलवार को सुबह 11 बजे भव्य दिंडी पालखी शोभायात्रा निकली. दोपहर 2 बजे काजलसरा के इंद्रशेष भजन मंडल द्वारा दीपक पाटील के नेतृत्व में भजनों की प्रस्तुति की गई.नागपंचमी महोत्सव के दौरान अमरावती शहर के साथ ही पड़ोसी क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुंचकर पालखी यात्रा में सहभागी होकर जहां पुण्यलाभ प्राप्त किया, वहीं विदर्भ भर से आए भक्तों ने यहां पर सेवा देने का काम किया. बुधवार को दिव्यांगों को संस्थान की ओर से भोजनदान के साथ ही वस्त्रदान भी मान्यवरों के हाथों किया गया.नागपंचमी पर्व उत्साह से जिले में मनाया गया.

ग़ोंडबाबा मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड और महाप्रसाद

अमरावती- हर साल की तरह ही इस साल भी जुना बायपास रोड स्थिति गोंडबाबा मंदिर में भी नागपंचमी उत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम हुआ. इस दौरान संगीतमय सुंदरकांड, भजन के साथ ही भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम लिया गया. सुरेश साहू तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा महोत्सव को सफल बनाने के लिए प्रयास किया गया. संगीतमय सुंदरकांड का हजारों भक्तों ने लाभ लिया. महाप्रसाद में लाभ लेने के लिए सैकड़ों भक्त उमड़े थे. कार्यक्रम को लेकर भक्तों में भी अपार उत्साह था. हजारों ने दर्शन का लाभ लिया. साथ ही भजन कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थिति जताते हुए पुण्यलाभ प्राप्त किया.हर साल यहां पर दो दिवसीय कार्यक्रम होता है. इसमें हजारों की संख्या में न केवल अमरावती बल्कि दूर-दूर से भक्त शामिल हुए.

विदर्भ स्वाभिमान
आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

विदर्भ स्वाभिमान
मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/ 8855019189

खुशियों के हर प्रकार के रंग

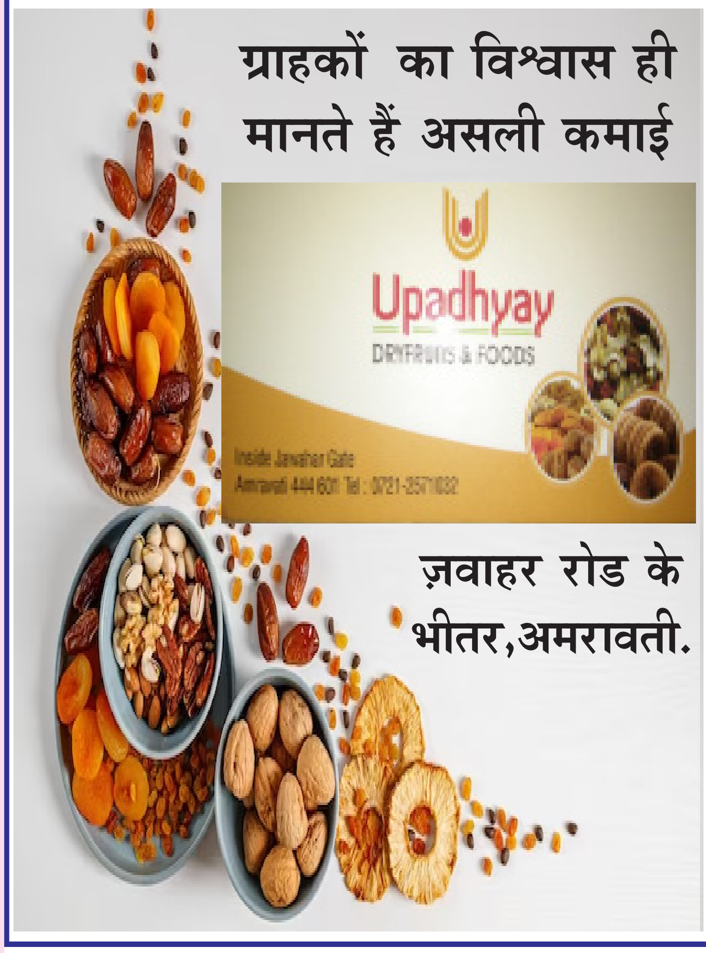

मेहनती को प्रोत्साहित करें,सफलता निश्चित है

जीवन में जो लोग दिल से कोई भी काम करते हैं तो उन्हें उसमें आनंद आता है. जो लोग बड़े पद पर रहकर सभी का सम्मान करते हैं और योग्यता को समझते हुए काम करते हैं और करवाते हैं, ऐसे लोगों के जीवन में सदैव संभावनाएं आगे बढ़ने की होती हैं. लेकिन जो लोग दूसरों की मेहनत की कदर नहीं करते हैं और केवल अपने नाम का डंका बजाते हैं, ऐसे लोग कुछ समय के लिए सेटिंग कर आगे बढ़ जाते हैं लेकिन जब गिरते हैं तो उठने के लायक नहीं रहते, जमीन पर रहने वालों को गिरने का खतरा नहीं रहता है.

साफ नीयत दिलाती है सदैव सम्मान

कहानी छोटी है लेकिन सीख देने वाली है

एक नगर में रहने वाले एक पंडित जी की ख्याति दूर-दूर तक थी. पास ही के गाँव में स्थित मंदिर के पुजारी का आकस्मिक निधन होने की वजह से, उन्हें वहाँ का पुजारी नियुक्त किया गया था. एक बार वे अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए बस में चढ़े, उन्होंने कंडक्टर को किराए के रुपये दिए और सीट पर जाकर बैठ गए. कंडक्टर ने जब किराया काटकर उन्हें रुपये वापस दिए तो पंडित जी ने पाया कि कंडक्टर ने दस रुपये ज्यादा दे दिए हैं.

पंडित जी ने सोचा कि थोड़ी देर बाद कंडक्टर को रुपये वापस कर दूंगा. कुछ देर बाद मन में विचार आया कि बेवजह दस रुपये जैसी मामूली रकम को लेकर परेशान हो रहे है, आखिर ये बस कंपनी वाले भी तो लाखों कमाते हैं, बेहतर है इन रूपयों को भगवान की भेंट समझकर अपने पास ही रख लिया जाए. वह इनका सदुपयोग ही करेंगे.-मन में चल रहे विचारों के बीच उनका गंतव्य स्थल आ गया. बस से उतरते ही उनके कदम अचानक ठिठके, उन्होंने जेब मे हाथ डाला और दस का नोट निकाल कर कंडक्टर को देते हुए कहा, भाई तुमने मुझे किराया काटने के बाद भी दस रुपये ज्यादा दे दिए थे. कंडक्टर मुस्कराते हुए बोला, क्या आप ही गाँव के मंदिर के नए पुजारी है?

-पंडित जी के हामी भरने पर कंडक्टर बोला, मेरे मन में कई दिनों से आपके प्रवचन सुनने की इच्छा थी, आपको बस में देखा तो ख्याल आया कि चलो देखते है कि मैं अगर ज्यादा पैसे दूँ तो आप क्या करते हो.अब मुझे विश्वास हो गया कि आपके प्रवचन जैसा ही आपका आचरण है. जिससे सभी को सीख लेनी चाहिए' बोलते हुए कंडक्टर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी. पंडितजी बस से उतरकर पसीना-पसीना थे. उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान का आभार व्यक्त किया कि हे प्रभु आपका लाख-लाख शुक्र है जो आपने मुझे बचा लिया, मैने तो दस रुपये के लालच में आपकी शिक्षाओं की बोली लगा दी थी. पर आपने सही समय पर मुझे सम्हलने का अवसर दे दिया. कभी कभी हम भी तुच्छ से प्रलोभन में, अपने जीवन भर की चरित्र पूँजी दाँव पर लगा देते हैं. हमारे जीवन में कई बार कोई आंख बंद कर हम पर भरोसा करता है तो इसे भाग्य मानें लेकिन जब उतना ही भरोसा हम करने लायक बन जाएं तो परमपिता की कृपा और प्रसाद मानें. कर्म कभी चूकता नहीं है. इसलिए आज हम किसी से दगा कर भला कर सकते हैं लेकिन यह तय है कि उसका दंड हमें भुगतना है.

ज़रा चिन्तन करें..लिखा है किसी ने..

बक्श देता है ईश्वर उनको !
जिनकी 'किस्मत' ख़राब होती है !!
वो हरगिज नहीं 'बक्शे' जाते हैं !
जिनकी 'नीयत' खराब होती है.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सभी के चहेते रामेश्वर उपाध्याय

शहर के सुख्यात व्यवसायी उपाध्याय ड्रायफ्रूट एवं उपाध्याय घीवर वर्क्स के संचालक तथा भक्तिभाव से ओतप्रोत व्यक्तित्व रामेश्वर उपाध्याय. विनम्रता, सादगी और हंसमुख स्वभाव के साथ जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही मिलनसार,धर्मप्रिय,मददगार बेहतरीन इंसान हैं, जिनके साथ रहने वाले हर व्यक्ति को इसका एहसास होता है. उन्हें दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

अमरावती-जीवन में कई लोग अपने स्वभाव के चलते किसी को भी अपने दिल में और उसके दिल में जगह बना लेते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं शहर के सुख्यात व्यवसायी उपाध्याय ड्रायफ्रूट एवं उपाध्याय घीवर वर्क्स के संचालक तथा भक्तिभाव से ओतप्रोत व्यक्तित्व रामेश्वर उपाध्याय. विनम्रता, सादगी और हंसमुख स्वभाव जहां किसी को भी प्रेरणा देता है, वहीं दूसरी ओर बातचीत का उनका अंदाज अन्यों के लिए प्रेरणा देने का काम करता है. समाज के कामों में जहां समर्पित रहते हैं, वहीं भक्तिभाव इतना कि सुबह उठने के बाद पूजा-अर्चना तथा भगवान के दर्शन के साथ ही व्यवसाय में जितने सफल व्यक्ति हैं, स्वभाव और सादगी के साथ विनम्रता में भी उतने ही बेहतरीन हैं. हाल ही में खंडेलवाल लॉन में घर के दो बच्चों के आयोजित भव्य जन्मदिन कार्यक्रम में जिस तरह से हजारों की भीड़ उमड़ी थी, वह उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई के साथ ही उनके स्वभाव की परिचायक कही जा सकती है. हर व्यक्ति से आत्मीयता के साथ पूछताछ करने के साथ ही उनकी विनम्रता सभी का ध्यान खींच रही थी. हर व्यक्ति की अपनी कुछ खूबी रहती है. इस बात को जो जान लेता है, वह जीवन में कामयाब होता है. जीवन में चुनौतियों से लड़ने वाले ही जीतते हैं. हार मानने वाले कभी नहीं जीत पाते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में रामेश्वर उपाध्याय का कहना है कि परिवार की खुशी और उसके त्याग से हर कामयाबी प्राप्त की जा सकती है. परिवार की एकता से समाज की एकता और इसी से राष्ट्र की एकता मजबूत होती है. आदर्श संस्कारों पर जोर देने वाले रामेश्वर उपाध्याय धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं. वे कहते हैं कि जीवन में प्रभु की इच्छा बगैर कुछ भी संभव नहीं है. मेहनत, लगन, ईमानदारी और समर्पण से ही कामयाबी मिलती है.

सदैव सकारात्मक विचार रखने वाले चाचाजी का कहना है कि अच्छी सोच के साथ जब हम अच्छा करने का प्रयास करते हैं तो हमारा भी अच्छा होता है. उन्होंने कहा कि लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती और कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती.उनका कहना है कि जीवन में कामयाब वही होते हैं, जो कोशिश करने का भाव रखते हैं. युवाओं में बढ़ते व्यसन को चिंता वाली बात कहते हैं. उनका कहना है कि युवाओं को माता-पिता का सम्मान करने के साथ ही जीवन में कामयाब होने के लिए अपना लक्ष्य तय करना चाहिए. जीवन में लक्ष्य तय करने वाले ही आगे बढते हैं. उन्हें दीर्घायु की हार्दिक शुभकामनाएं. चाचाजी प्रसन्न रहें, खुश रहें,प्रभु की कृपा सदैव बनी रहे, यही कामना.

दिल के राजा व्यक्ति हैं अधिवक्ता दीप मिश्रा

शहर ही नहीं तो सुख्यात अधिवक्ता के रूप में विदर्भ स्तर पर सुख्यात एड. दीप मिश्रा हजारों मित्रों के प्रिय मित्र हैं. युवा स्वाभिमान के संस्थापक विधायक रवि राणा, पूर्व सांसद नवनीत राणा के करीबी के साथ ही सामाजिक सेवा में भी मिश्रा दम्पति सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देने के साथ ही उनके स्वस्थ,दीर्घायु जीवन की कामना की. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

आप किसी भी प्रोफेशन में हैं, अगर उसकी महत्ता को बरकरार रखते हैं और उसके प्रति समर्पित रहते हैं तो निश्चित रूप से जीवन में कभी असफल नहीं होंगे. नेकी के साथ किया गया काम कभी बेकार नहीं जाता है. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानने वाले व्यक्ति के रूप में एड. दीप मिश्रा जितने बेहतरीन और कामयाब वकील हैं, उससे भी अधिक बेहतरीन सादगी पसंद और दिल के राजा व्यक्ति हैं. उनका 27 जुलाई को जन्मदिन क़ईयों ने मनाया. अत्याधिक व्यस्त रहने के बाद भी वे सामाजिक एकता के प्रयासों में भी पत्नी सौ. सारिका मिश्रा के साथ उतने ही सक्रीय रहते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए पति के बारे में सौ. सारिका मिश्रा ने बताया कि सामाजिक, न्यायिक क्षेत्र में वे संवेदनशीलता के साथ हरसंभव सहयोग करने का प्रयास करते हैं. हजारों लोगों की मदद के साथ ही न्यायिक क्षेत्र में सदा मार्गदर्शन गरीबों और जरूरतमंदों को देते हैं. भाजपा नेत्री तथा पूर्व लोकप्रिय सांसद नवनीत राणा, विधायक रवि राणा जैसों का जहां उन्हें आशिर्वाद सदैव रहा है, वहीं दूसरी ओर समाजसेवा की प्रेरणा उनसे मिली है. वे कहते हैं कि जीवन में जितना संभव हो सके, अपनी ओर से सेवाभावी वृत्ति रखते हुए काम करने का प्रयास करना चाहिए.

आज शहर ही नहीं तो राज्यस्तर पर सुख्यात अधिवक्ता के रूप में जहां प्रसिद्ध हैं, वहीं ब्राह्मण समाज की प्रगति और युवाओं के मार्गदर्शन के लिए भी सदैव तत्पर रहते हैं. वे स्वस्थ रहें और मस्त रहें, शहर में मानवता की सेवा के समर्पित हरफनमौला एवं सामाजिक कामों में अग्रणी एड. दीप मिश्रा ने जन्मदिन पर शुभकामनाएं,आशीर्वाद देने वाले सभी के प्रति कृतज्ञता जताई और यही प्रेम कायम रखने की कामना प्रभु चरणों में की.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

गुरूवार 31 जुलाई से 6 अगस्त 2025

मेष-यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

भाषा को लेकर विवाद अनुचित, भाषाएं तो होती हैं संवाद का माध्यम

कितने नेताओं,अफसरों के बच्चे हैं मराठी स्कूल में

विश्व में जो भी देश आज विकास में अग्रणी है, उन देशों के विकास में उनकी मातृभाषा का अत्याधिक महत्व है. महाराष्ट्र में मराठी में जितनी बेहतरीन शिक्षा प्राप्त की जा सकती है,उतने बेहतरीन तरीके से अंग्रेजी,हिंदी अथवा अन्य किसी भाषा में नहीं ली जा सकती है. लेकिन इसके साथ ही भाषा संवाद,अपनेपन और विकास का सबसे बड़ा माध्यम होती है. राजनीतिक स्वार्थ से इसे परे रखना चाहिए. अमरावती सहित राज्य में जिस तेजी से मराठी माध्यम से विद्यालय बंद हो रहे हैं, इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाए. इन विद्यालयों को अगर पटसंख्या के आधार पर बंद किया जा रहा है तो निश्चित तौर पर किसे कोसा जाए, भाषा के नाम पर राजनीतिक हवा को तेज करने वाले नेताओं को कम से कम इसका भी जवाब देना चाहिए. मुंबई में तेजी से मराठी विद्यालय बंद होने के साथ लगभ समूचे राज्य में यही स्थिति है. बंद विद्यालयों को शुरू रखने के लिए जनजागरूकता करने के साथ ही नेताओं और मनपा के अधिकारियों के बच्चे तो भी मराठी विद्यालयों में है, यह सवाल लोगों द्वारा पूछा जाना चाहिए. इस मामले में जिस तरह से मतभेद हो रहे हैं, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता है.

भाषण देने वाले कितने नेता हैं, जिन्होंने अपने बच्चों को भारतीय सेना में भर्ती होकर देशसेवा के लिए प्रेरित किया है. ठीक इसी तरह मराठी विद्यालयों की आज जो दर्दनाक स्थिति है, गरीब से गरीब भी इन विद्यालयों में अपने बच्चों को प्रवेश नहीं दिलवा रहा है, इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाए. सभी दलों के नेताओं को मातृभाषा बढ़ाने के लिए सबसे पहले स्वयं से शुरूवात करते हुए समाज का आदर्श बनने का प्रयास करना चाहिए. महाराष्ट्र में कक्षा एक से पांच तक हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किए जाने को लेकर कई राजनीतिक दल तीखे तेवर दिखा रहे हैं. लेकिन सच्चाई यह है कि राज्य में अभिभावक भी अपने बच्चों को मराठी माध्यम से शिक्षा दिलवाने को लेकर उदासीन हैं और पूरे राज्य में मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटती जा रही है.

तीन दिन पहले ही राज्य सरकार ने कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किया, तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और कांग्रेस ने सरकार को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दे डाली है. मनसे और शिवसेना जैसे दल अपने स्थापना काल से ही शिक्षा और नौकरियों में मराठीभाषियों को प्राथमिकता देने के आग्रही रहे हैं.

लेकिन मुंबई महानगरपालिका में पिछले करीब 30 वर्षों से शिवसेना का कब्जा होने के बावजूद मुंबई के मनपा संचालित विद्यालयों में भी मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटी है और हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की संख्या बढ़ी है. सिर्फ मुंबई महानगर में पिछले 10 वर्षों में बीएमसी संचालित मराठी माध्यम के 106 विद्यालय बंद हो गए हैं. इसके विपरीत हिंदी माध्यम के 30, अंग्रेजी माध्यम के 58, यहां तक कि उर्दू माध्यम के भी पांच विद्यालय बढ़े हैं.पिछले तीन वर्षों को छोड़ दिया जाए, तो बाकी वर्षों में मराठी की प्रबल पैरोकार रही शिवसेना ही उस बीएमसी पर शासन करती रही है, जो इन विद्यालयों को संचालित करती है. इसी प्रकार त्रिभाषा फार्मूला के तहत फडणवीस सरकार द्वारा कक्षा पांच तक हिंदी पढ़ना अनिवार्य किए जाने का विरोध कर रही कांग्रेस भी पिछले 25 वर्षों में ज्यादातर समय महाराष्ट्र की सत्ता में रही है.1999 से 2014 तक तो कांग्रेस का ही मुख्यमंत्री रहा है और 2019 से 2021 तक वह शिवसेना और राकांपा के साथ सत्ता में रही है. इसके बावजूद मुंबई के बाहर शेष महाराष्ट्र में भी मराठी माध्यम के विद्यालयों को बंद होने से वह रोक नहीं पाई. बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़ने पर जितना बेहतरीन समझ पाते हैं, उतना किसी भी भाषा में करने पर नहीं समझ सकते हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि भाषा को बढ़ावा देने के साथ ही इसके उत्थान का प्रयास हो.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती

पुरूषोत्तम पाटील

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान